



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 8th Class Hindi Durva: Chapter 1 - गुड़िया कविता



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 8th Class Hindi Durva: Chapter 1 -गुड़िया कविता

Class 8: Hindi Durva Chapter 1 solutions. Complete Class 8 Hindi Durva Chapter 1 Notes.

NCERT Solutions for 8th Class Hindi Durva: Chapter 1 -गुड़िया कविता

NCERT 8th Hindi Durva Chapter 1, class 8 Hindi Durva Chapter 1 solutions

Page No 2:

Question 1:

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

(क) गुड़िया को कौन, कहाँ से और क्यों लाया है?

(ख) कविता में जिस गुड़िया की चर्चा है वह कैसी है?

(ग) कवि ने अपनी गुड़िया के बारे में अनेक बातें बताई हैं। उनमें से कोई दो बातें लिखो।

ANSWER:

(क) गुड़िया को कवि लाया था। जब वह मेले में गया तो वहाँ एक बुढ़िया उसे बेच रही थी। वह गुड़िया कवि को बहुत अच्छी लगी, इसलिए मोलभाव करके वह उसे घर ले आया।

(ख) कविता में जिस गुड़िया की चर्चा है, वह प्यारी सी है। आँखें खोल व मुँद सकती है, पिया-पिया बोलती है। उसने सितारों से जड़ी चुनरी पहन रखी है। उसकी आँखें काली-काली हैं। वह बड़ी सलोनी गुड़िया है।

(ग) कवि ने उसे खिलौने की अलमारी में गहनों से सजाकर रखने की बात की है। इस गुड़िया ने कवि के बच्चे-से मन को जीत लिया है। यह गुड़िया बड़ी सलोनी है –

"ऊपर से है बड़ी सलोनी

ओ गुड़िया तू इस पल मेरे

शिशूमन पर विजय माला

रखूँगा मैं तुझे खिलौनों की

अपनी अलमारी में।"

Page No 3:

Question 2:

(क) "खेल-खिलौनों की दुनिया में तुमको परी बनाऊँगा।" बचपन में तुम भी बहुत से खिलौनों से खेले होगे। अपने किसी खिलौने के बारे में बताओ।

(ख) "मोल-भाव करके लाया हूँ

ठोक-बजाकर देख लिया।"

अगर तुम्हें अपने लिए कोई खिलौना खरीदना हो तो तुम कौन-कौन सी बातें ध्यान में रखोगे?

(ग) "मेले से लाया हूँ इसको

छोटी-सी प्यारी गुड़िया"

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

यदि तुम मेले में जाओगे तो क्या खरीदकर लाना चाहोगे और क्यों?

ANSWER:

(क) बचपन में हम भी गुड़िया से खेलते थे। उसके लिए कपड़े बनाते थे। उनके रहने के लिए छोटा-से बक्से से घर बनाते थे। घर के अंदर तरह-तरह के छोटे-छोटे सामान लाकर रखते थे। गुड़डे तथा गुड़िया को सजाते थे। कभी-कभी तो सभी बच्चे दो भागों में बँट जाते थे और उनके विवाह आदि भी करवाते थे। एक पक्ष गुड़डेवाले का होता था और दूसरा पक्ष गुड़ियावाले का। हम सब मिलकर उनका विवाह आदि करवाते थे।

(ख) अगर हमें अपने लिए कोई खिलौना खरीदना हो, तो हम देखेंगे कि वह अच्छा व उपयोगी है या नहीं। कहीं से टूटा-फूटा तो नहीं है। खिलौनेवाला जितने पैसे माँग रहा है, उस हिसाब से वह ठीक भी है। यदि नहीं तो मोल-भाव करेंगे और खिलौना कितने दिन चल तक सकता है, यह भी देखना ज़रूरी है।

(ग) मेले में जाकर हमें जो कुछ अच्छा लगेगा और जो हमारे लिए उपयोगी होगा हम वही खरीदेंगे।

NCERT 8th Hindi Durva Chapter 1, class 8 Hindi Durva Chapter 1 solutions

Page No 3:

Question 3:

भारत में अनेक अवसरों पर मेले लगते हैं। कुछ मेले तो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

(क) तुम अपने प्रदेश के किसी मेले के बारे में बताओ। पता करो कि वह मेला क्यों लगता है? वहाँ कौन-कौन से लोग आते हैं और वे क्या करते हैं? इस काम में तुम पुस्तकालय या बड़ों की सहायता ले सकते हो।

(ख) तुम पुस्तक-मेला, फिल्म-मेला और व्यापार-मेला आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करो और बताओ कि अगर तुम्हें इनमें से किसी मेले में जाने का अवसर मिले तो तुम किस मेले में जाना चाहोगे और क्यों?

ANSWER:

(क) हमारे प्रदेश में कई मेले लगते हैं; जैसे— दीपावली, नौचंदी, दशहरा आदि। इसमें बहुत दुकाने लगती हैं। यहाँ तरह-तरह के खिलौने, चूड़ियाँ, बिन्दी, कपड़े, मिठाइयाँ आदि मिलते हैं। इसमें खेल तथा तमाशे वाले भी आते हैं। लोग इसमें आकर बहुत आनन्दित होते हैं।

(ख) हम पुस्तक मेले में जाना चाहेंगे क्योंकि यहाँ पर अनेकों पुस्तकें होती हैं। यहाँ कहानियों की, कविताओं की ज्ञानवर्धक किताबें मिलती हैं, जो चाहें खरीद सकते हैं। पुस्तक हमारा सबसे अच्छा साथी है। ये हमारा ज्ञान बढ़ाती हैं इसलिए हम पुस्तक मेले में जाना पसंद करेंगे।

Page No 3:

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

Question 4:

कागज़ से तरह-तरह के खिलौने बनाने की कला को 'आरिगैमी' कहा जाता है। तुम भी कागज़ के फूल/वस्तु बनाकर दिखाओ।

ANSWER:

इसके लिए छात्रों को स्वयं प्रयास करना पड़ेगा क्योंकि यह प्रश्न छात्रों के अंदर चीज़ों को बनाने और सीखने की ललक को बढ़ाने के उद्देश्य से दिया गया है। अतः स्वयं कागज़ के फूल तथा खिलौने बनाने का प्रयास करें।

Page No 3:**Question 5:**

तुम्हारे घर की बोली में इन शब्दों को क्या कहते हैं?

(क) गुड़िया

(ख) फुलवारी

(ग) नुक्कड़

(घ) चुनरी

ANSWER:

(क) गुड़िया– गुड़िया, पूतल (बंगाली)

(ख) फुलवारी– फूलों की क्यारियाँ

(ग) नुक्कड़– गली का मोड़

(घ) चुनरी– साड़ी, ओढ़नी

NCERT 8th Hindi Durva Chapter 1, class 8 Hindi Durva Chapter 1 solutions

Page No 4:**Question 6:**

मैं मेले से लाया हूँ इसको

हम मेले से लाए हैं इसको

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

ऊपर हमने देखा कि यदि 'मैं' के स्थान पर 'हम' रख दें तो हमें वाक्य में कुछ और शब्द भी बदलने पड़ जाते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिए गए वाक्यों को बदलकर लिखो।

(क) मैं आठवीं कक्षा में पढ़ती हूँ।

हम आठवीं कक्षा।

(ख) मैं जब मेले में जा रहा था तब बारिश होने लगी।

.....

(ग) मैं तुम्हें कुछ नहीं बताऊँगी।

.....

ANSWER:

(क) मैं आठवीं कक्षा में पढ़ती हूँ।

हम आठवीं कक्षा में पढ़ते हैं।

(ख) मैं जब मेले में जा रहा था तब बारिश होने लगी।

हम जब मेले में जा रहे थे तब बारिश होने लगी।

(ग) मैं तुम्हें कुछ नहीं बताऊँगी।

हम तुम्हें कुछ नहीं बताएँगे।

Page No 4:

Question 7:

दिए गए शब्दों के अंतिम वर्ण से नए शब्द का निर्माण करो-

मेला लाल लगन नया याद

पिया

खोल

शिशुमन

ANSWER:

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

पिया- याद, दवाई, ईमानदार, रमज़ान

खोल- लड़ाई, ईनाम, महीना, नामुमकिन, नमक

शिशुमन- नलिन, नन्हा, हाँकना, नाराज़, ज़मीन

NCERT 8th Hindi Durva Chapter 1, class 8 Hindi Durva Chapter 1 solutions



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 8 Hindi Durva :

- Chapter 1 -गुड़िया कविता
- Chapter 2-दो गौरैया (कहानी)
- Chapter 3-चिट्ठियों में यूरोप (पत्र)
- Chapter 4-ओस (कविता)
- Chapter 5-नाटक में नाटक (कहानी)
- Chapter 6-सागर यात्रा (यात्रा वृत्तांत)
- Chapter 7- उठ किसान ओ (कविता)
- Chapter 8-सस्ते का चक्कर (एंकाकी)
- Chapter 9-एक खिलाड़ी की कुछ यादें (संस्मरण)
- Chapter 10-बस की सैर (कहानी)
- Chapter 11-हिन्दी ने जिनकी जिंदगी बदल दी (भेंटवार्ता)
- Chapter 12-आषाढ़ का पहला दिन (कविता)
- Chapter 13-अन्याय के खिलाफ(कहानी)
- Chapter 14-बच्चों के प्रिय श्री केशव शंकर पिल्लै (व्यक्तित्व)
- Chapter 15-फर्श पर (कविता)
- Chapter 16-बूढ़ी अम्मा की बात (लोककथा)
- Chapter 17-वह सुबह कभी तो आएगी(निबंध)

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](https://www.ncert.nic.in/) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-durva-chapter-1-gudiya-ka-vita/>